

माफ़ करी तू साईया माफ़ करी

माफ़ करी तू साईया माफ़ करी
मेहर भरा इन्साफ़ करी
माफ़ करी तू साईया माफ़ करी

न अमल कमावा न मैं फर्ज निभावा
पपले गुण कोई न जे मैं सोचा शरमावा,
तेरी शान उचेरी
ते मैं मिट्टिया दी ढेरी सुन अर्जी तू मेरी
साईया माफ़ करी तू साईया माफ़ करी

एहने दुःख ने इको दुःख न मार जावा मैं
नजर करे ते डूबदी डूबदी तर जावा मैं
की करा कोई राह नजर ना आवे मेनू
तेरे बाजो साईया कौन बचावे मेनू
तेरे चार चुफेरे होए दुखा दे हनेरे हूँ करदे सवेरे
साईया माफ़ करी तू साईया माफ़ करी

माफ़ करी वे साईया बोल ये मनडा बोला
शान च तेरी दस किवे मैं मुख नु खुला
कर दे दूर बलावा शिर्डी वाले साईया
भूल के दुनिया सारी हून तेरे नाल लाइया
जींद भूक भूक रोई होर अर्ज न कोई जेहड़ी भूल मेतो होई
साईया माफ़ करी तू साईया माफ़ करी

<https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/19808/title/maaf-kari-tu-saiya-maaf-kari>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |